Title: Regarding release of some extremist from jail in Jammu & Kashmir.

श्री राशिद अल्वी (अमरोहा) : अध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान एक बहुत ही अहम मामले की तरफ दिलाना चाहता हूं। अभी हाल ही में कश्मीर के अंदर सरकार ने देश में बगैर कोई वजह बताये कुछ एक्सट्रीमिस्ट्स को छोड़ा है और उन्होंने जेल से निकलते ही पहला बयान यह दिया है कि हमने सरकार से न तो यह रिक्वेस्ट की थी हमें छोड़ा जाये और न हम बगैर पाकिस्तान के कश्मीर की कोई बात करने वाले हैं। सारे अखबारों के अंदर छपा है और उनमें से एक नेता ने कहा है :-

> "I have read Shri Advani's statement. It is the same thing. They want talks to be held within the framework of the Constitution. We cannot agree to this condition. No talks can be held if the Government insists on this condition."

इसके साथ-साथ उन्होंने कहा है कि पाकिस्तान को ट्रिपारटाइट बात करनी पड़ेगी। मैं सरकार से पूछना चाहता हूं और डिमाण्ड करता हूं कि क्या पिछले पचास साल से जिस पार्टी की सरकार इस देश के अंदर हंगामा करती थी कि 370 को खत्म कर देंगे, पाकिस्तान को अगर इस सरकार ने बातचीत में शामिल किया तो हम पूरी ताकत के साथ इसकी मुखालफत करेंगे। कश्मीर इस देश का अटूट हिस्सा है और इस बात की इज़ाजत नहीं दी जा सकती कि यह सरकार पूरे देश को मिसलीड करे। मैं मुताल्बा करता हूं कि सरकार वाजह करे और इस हाउस के अंदर पूरे देश को बताये कि सरकार की क्या नीति है। एक्सट्रीमिस्ट्स को क्यों छोड़ा गया? उनके रोज बयानात आ रहे हैं। उन बयानातों का ज्वाब नहीं दिया जा रहा है। मैं चाहता हूं कि सरकार अभी हाउस के अंदर बताये कि इस बारे में इनकी क्या पॉलिसी है।...(व्यवधान) मुझे अपनी बात पूरी कर लेने दीजिए।...(व्यवधान)

MR. SPEAKER : Shri Alvi, there are other Members also. Please understand it. You see the anxiety of other Members also.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER : The zero hour is meant only to mention the importance of the issue.

...(*Interruptions*)

श्री राशिद अल्वी : पूरे देश की सिक्योरिटी का सवाल है। पार्लियामेंट्री अफेयर्स मिनिस्टर बैठे हैं, इनसे कहिए कि हाउस के अंदर इसका ज्वाब दें कि सरकार की क्या पॉलिसी है।...(व्यवधान)

श्री शिवराज सिंह : माहौल सुधरने लगता है तो इनको तकलीफ शुरु हो जाती है।...(व्यवधान)

श्री राशिद अल्वी : हमें तकलीफ होती है। हम कश्मीर को मुद्दा नहीं बनाने देंगे।...(व्यवधान) कश्मीर इस देश का अटूट हिस्सा है।...(व्यवधान) पार्लियामेंट्री अफेयर्स मिनिस्टर से कहा जाये कि वह इसका ज्वाब दें।...(व्यवधान)

MR. SPEAKER : Shri Salkhan Murmu to speak.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER : Nothing except what Shri Murmu speaks will go on record.

*(Interruptions)**